24 दिसंबर 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

क्वार्टर फाइनल में आरा ने बक्सर को 2-1 से हराया, सेमीफाइनल में बनाई जगह

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

आपकी आवाज

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

एक नजर

बच्चों को जहर देने के बाद पिता-दादी ने की आत्महत्या

कन्नूर। केरल के रमंथली में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत के मामले में पुलिस जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मंगलवार को अधिकारियों ने बताया कि पिता और दादी ने खुद फांसी लगाने से पहले दो मासूम बच्चों को जहर दिया था। मामले में पुलिस को सोमवार रात उषा के टी (56), उनके बेटे कलाधरन के टी (36), और कलाधरन के दो बच्चों हिमा (छह) व कन्नन (दो) अपने घर में मृत मिले थे, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले में मंगलवार को हुई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि पहले दोनों बच्चों को जहर दिया गया था। इसके बाद कलाधरन और उसकी मां उषा ने भी जहर खाया और फिर फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिससे संकेत मिलते हैं कि कलाधरन और उसका परिवार गंभीर वैवाहिक समस्याओं और मानसिक तनाव से गुजर रहा था। कलाधरन और उसकी पत्नी पिछले आठ महीनों से अलग रह रहे थे।

200 बार वोट डालने का दावा लोकतंत्र पर सवाल

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जर्मनी दौरे के दौरान दिए गए बयान पर देश में सियासत तेज है। जहां एक बार फिर भाजपा ने राहुल गांधी पर उनके जर्मनी दौरे और कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बयान को लेकर जमकर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता शाहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी के दावों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि राहुल गांधी ने दावा किया कि हरियाणा चुनाव में एक महिला ने 200 बार वोट डाला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने यह नहीं कहा कि उसका नाम 200 बार सूची में आया, बल्कि सीधे कहा कि उसने 200 बार वोट किया।पूनावाला ने आगे कहा कि राहुल गांधी ने अपने दावों में यह भी कहा कि शकुन रानी नाम की एक महिला ने दो बार वोट डाला। इस पर उन्होंने सवाल उठाते हुए राहुल गांधी को चुनौती दी कि वे उस महिला का नाम, पता और सबूत सार्वजनिक करें और बताएं कि आखिर कोई व्यक्ति 200 बार वोट कैसे डाल सकता है।

मोबाइल नेटवर्क के लिए नहीं लगेंगे टावर

- अमेरिकी कंपनी के कम्युनिकेशन सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित
- लॉन्च व्हीकल की छठवीं उड़ान होगी और वाणिज्यिक मिशन के लिए तीसरी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत का अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान इस साल के अपने आखिरी मिशन में इतिहास रचने जा रहा है। 24 दिसंबर (बुधवार) को भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी अमेरिका की कंपनी एएसटी स्पेस मोबाइल के एक अहम सैटेलाइट को अंतरिक्ष में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए मंगलवार को 24 घंटे का काउंटडाउन भी शुरू हो गया। एलवीएम3-एम6 मिशन के जरिए अमेरिकी कंपनी के कम्युनिकेशन सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जाना है। अगर यह मिशन सफल होता है तो भारत से लेकर पूरी दुनिया के लिए यह अहम मौका बनेगा। इसरो के इस मिशन का नाम एलवीएम3-एम6 ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 है। यह पूरी तरह से कॉमर्शियल लॉन्चिंग है। यह मिशन अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 संचार उपग्रह को पृथ्वी की निचली कक्षा यानी लोअर अर्थ ऑर्बिट में स्थापित करने के लिए है। इसरो इसकी लॉन्चिंग के लिए अपने एलवीएम3 रॉकेट का इस्तेमाल करेगा, जो कि इस लॉन्च व्हीकल की छठवीं उड़ान होगी और वाणिज्यिक मिशन के लिए तीसरी। भारत के इस लॉन्च व्हीकल को पहले ही इसकी क्षमताओं के लिए श्बाहुबलीश नाम दिया जा चुका है। भारत के लिए यह एक अहम मिशन है, क्योंकि लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (एलवीएम3) रॉकेट की छठी उड़ान सफल होने से कमर्शियल स्पेस सेक्टर में भारत की पकड़ और मजबूत होगी। ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह का वजन लगभग 6,500 किलोग्राम है। भारतीय लॉन्च व्हीकल अगर इस मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम देता है तो यह पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित होने वाला सबसे बड़ा वाणिज्यिक संचार उपग्रह होगा।भारत अपने एलवीएम3 लॉन्च व्हीकल के जरिए चंद्रयान-2, चंद्रयान-3 और वैश्विक स्तर पर सैटेलाइट इंटरनेट मुहैया कराने वाली-वन वेब के सैटेलाइट लॉन्चिंग मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दे चुका है।

बिना टावर की रेंज में आए भी मिलता रहेगा सिग्नल

ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह एक अगली पीढ़ी (नेक्स्ट जेन) की प्रणाली का हिस्सा है। अगर यह उपग्रह सही कक्षा में स्थापित हो जाता है और कंपनी के परीक्षण सफल होते हैं तो इसके जरिए 4जी और 5जी स्मार्टफोन पर सीधे सेल्युलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी मिलेगी। उपभोक्ता को किसी अतिरिक्त एंटीना या कस्टमाइज्ड हार्डवेयर की जरूरत नहीं होगी। फिलहाल सेलफोन को 4जी या 5जी नेटवर्क हासिल करने के लिए मोबाइल टावर की जरूरत होती है, लेकिन इस उपग्रह के सफल होने के बाद टावर का काम खत्म हो सकता है।

भारत को घेरने के लिए बांग्लादेश और पाकिस्तान की बड़ी साजिश

एजेंसी। नई दिल्ली

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच एक औपचारिक सैन्य समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। खुफिया एजेंसियों के अनुसार यह प्रस्तावित समझौता पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पहले से मौजूद परस्पर सैन्य सहयोग माडल पर आधारित हो सकता है। यदि यह समझौता लागू होता है, तो इसके दूरगामी रणनीतिक और सुरक्षा निहितार्थ भारत के लिए चिंता का विषय बन सकते हैं। ये समझौता नाटो देशों की तर्ज पर होगा, जिसमें एक देश पर हमला समूह के सभी देशों पर आक्रमण माना जाता है। सीधे तौर पर ये समझौता भारत को घेरने की चाल माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में मोहम्मद यूनुस की नियुक्ति के बाद ढाका और इस्लामाबाद के रिश्तों में तेजी से नजदीकी बढ़ी है। इस दौरान बांग्लादेश ने भारत से दूरी बनाते हुए पाकिस्तान के साथ सैन्य और रणनीतिक सहयोग को प्राथमिकता दी है। दोनों देशों के बीच एक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट (परस्पर रक्षा समझौता) पर काम चल रहा है, जिसे फरवरी में प्रस्तावित चुनावों से पहले अंतिम रूप देने की कोशिश की जा रही है। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि यदि यह समझौता सऊदी अरब-पाकिस्तान सैन्य करार की तर्ज पर होता है, तो इसमें कई अहम प्रविधान शामिल हो सकते हैं।

इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान का बंटवारा किया था दो हिस्सों में

प्रियंका गांधी पीएम बनती हैं तो बांग्लादेश का होगा हिसाब : सांसद मसूद

- बोली बीजेपी- कांग्रेस के पास नहीं है जनमत, देखे केवल सपने

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद इमरानमसूद ने मंगलवार को कहा कि यदि प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री बनती हैं, तो वह बांग्लादेश को निर्णायक तरीके से निपटाएंगी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचार को लेकर इमरान मसूद ने प्रियंका गांधी वाड्रा को पीएम बनाने की वकालत की। बीजेपी की ओर से प्रियंका गांधी पर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के खिलाफ पर्याप्त रूप से मुखर न होने के आरोपों का खंडन करते हुए मसूद ने कहा कि पिछली बार जब वहां हिंदुओं पर अत्याचार हुआ था, तो सबसे ज्यादा बोलने का काम प्रियंका गांधी ने ही किया था। प्रियंका गांधी को प्रधानमंत्री बनाइए, फिर देखिए वह इंदिरा गांधी की तरह कैसे जवाब देती हैं। इमरान मसूद ने आगे कहा कि जिस तरह इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान को दो हिस्सों में बांटा था, उसी तरह प्रियंका गांधी बांग्लादेश को निर्णायक सबक सिखाएंगी ताकि वह भारत-विरोधी विचारों का केंद्र न बन सके। जब उनसे पूछा गया कि प्रियंका के प्रधानमंत्री बनने पर राहुल गांधी क्या करेंगे, तो मसूद ने कहा, राहुल गांधी भी कार्रवाई करेंगे। वे अलग नहीं हैं। राहुल और प्रियंका एक ही चेहरे की दो आंखों की तरह हैं, इंदिरा गांधी के पोते-पोती। उन्हें अलग-अलग मत देखिए। मसूद के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं का राहुल गांधी पर से विश्वास उठ गया है और दावा किया कि कांग्रेस नेता के पास न तो जनमत है, न संगत, और न ही जनपथ का समर्थन है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने साफ तौर पर कहा है कि उन्हें अब राहुल गांधी पर भरोसा नहीं रहा।

प्रियंका को पीएम फेस बनाने की हो रही है डिमांड : रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाने की मांग की थी, इसका उनके पति रॉबर्ट वाड्रा ने भी समर्थन कर दिया है। रॉबर्ट का दावा है कि यह मांग हर जगह से हो रही है कि प्रियंका अब आगे आएं। बता दें कि हाल में संपन्न हुए संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान जब से लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी विदेश दौरे पर गए, सियासी गलियारों में प्रियंका को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई। अब रॉबर्ट वाड्रा ने जिस तरह से सार्वजनिक तौर पर पत्नी को आगे आकर एक तरह से कांग्रेस की कमान संभालने का आह्वान किया है, उससे पार्टी के अंदर चल रही कश्मकश की अटकलों पर भी मुहर लग गई है। कांग्रेस एमपी इमरान मसूद के बयान को लेकर जब प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा से पूछा गया तो उन्होंने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा, श्मांग तो सब जगह से है कि प्रियंका को आगे आना चाहिए। मांग तो यह भी है कि मुझे राजनीति में आना चाहिए।श वाड्रा ने आगे कहा कि श्लेकिन, अभी हमें असली मुद्दों पर फोकस करना है, जो लोगों से जुड़े हैं। बता दें कि इसी तरह की चचाओं के बीच एनबीटी ऑनलाइन पहले एक रिपोर्ट दे चुका है, जिसमें कांग्रेस में राहुल गांधी को कांग्रेस से साइडलाइन किए जाने की अटकलों को लेकर संकेत दिए गए थे।

24 वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित एक कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान प्रसिद्ध खगोल भौतिक विज्ञानी डॉ. जयंत नार्लीकर को उनके विज्ञान के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए मरणोपरांत ह्यविज्ञान रत्न पुरस्कारह्ल से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार पुणे स्थित इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स के निदेशक आर. श्रीआनंद ने प्राप्त किया। यह संस्थान डॉ. जयंत नार्लीकर ने ही स्थापित किया था। बता दें कि इस समारोह में कुल चार श्रेणियों में 24 वैज्ञानिकों और टीमों को सम्मानित किया गया। इनमें विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा और विज्ञान टीम जैसे पुरस्कार शामिल है। सरकार के अनुसार, इन पुरस्कारों का उद्देश्य उन वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों और नवाचार करने वालों को सम्मान देना है, जिन्होंने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश के लिए उल्लेखनीय काम किया है। राष्ट्रपति मुर्मू के द्वारा विज्ञान श्री पुरस्कार पाने वालों की सूची में कृषि विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए गेहूं वैज्ञानिक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में यूसुफ मोहम्मद शेख, जैव विज्ञान में के थंगराज, रसायन विज्ञान में प्रदीप थलप्पिल, इंजीनियरिंग साइंस में अनिरुद्ध पंडित, पर्यावरण विज्ञान में एस. वेंकट मोहन, गणित व कंप्यूटर विज्ञान में महान महाराज और अंतरिक्ष विज्ञान में जयन एन का नाम शामिल है। वहीं बात अगर विज्ञान युवा पुरस्कार की करें तो ये पुरस्कार युवा वैज्ञानिकों को दिया गया, जिनमें कृषि, जैव विज्ञान, रसायन, भौतिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े कई नाम शामिल हैं। इसके अलावा, सीएसआईआर अरोमा मिशन टीम को विज्ञान टीम पुरस्कार दिया गया। इस टीम ने जम्मू-कश्मीर में लैवेंडर मिशन को सफल बनाकर किसानों की आय बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। यह समारोह भारतीय विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में काम कर रहे वैज्ञानिकों के योगदान को सम्मान देने का एक बड़ा अवसर रहा।

सुप्रीम कोर्ट से फैसले पर हो पुनर्विचार : सचिन पायलट

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों के संरक्षण को लेकर सियासत और पर्यावरण बहस तेज हो गई है। कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अरावली से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पुनर्विचार की मांग करते हुए केंद्र और चार भाजपा शासित राज्यों को कटघरे में खड़ा किया है। सचिन पायलट ने कहा कि गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली चारों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, साथ ही केंद्र में भी भाजपा सत्ता में है। ऐसे में अगर सभी चार इंजन मिलकर काम करें, तो सुप्रीम कोर्ट से आग्रह कर अरावली क्षेत्र को पूरी तरह संरक्षित किया जा सकता है। पायलट ने आगाह किया कि अरावली पहाड़ियां पूरे एनसीआर के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह काम करती हैं। यदि यहां अवैध खनन और पर्यावरणीय दोहन इसी तरह चलता रहा, तो इसके गंभीर नतीजे सामने आएंगे। इससे रेगिस्तान का विस्तार तेज होगा, प्रदूषण और जल संकट और गहराएगा तथा जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर आज अरावली को बचाने में हम नाकाम रहे, तो आने वाली पीढ़ियों को हम क्या विरासत सौंपेंगे? कांग्रेस नेता पायलट ने बताया कि 26 दिसंबर को जयपुर में छात्र संगठनों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एक बड़ा मार्च निकाला जाएगा। इसका उद्देश्य अरावली पहाड़ियों की सुरक्षा के लिए जनसमर्थन जुटाना और सरकारों पर दबाव बनाना है।

सुमित्रा कॉलेज के वार्षिकोत्सव में दिखा मंच से स्टॉल तक प्रतिभा का उत्सव

- **वार्षिकोत्सव-सह-आनंद मेले में छात्राओं की बहुआयामी प्रतिभा की हुई जमकर सराहना, छात्राओं की प्रस्तुति पर जमकर बजी तालियां**

केटी न्यूज/डुमरांव

सुमित्रा महिला कॉलेज का परिसर मंगलवार को केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि उत्सव, सृजन और आत्मविश्वास से भरे सपनों का मंच बन गया। वार्षिकोत्सव सह आनंद मेले के अवसर पर कॉलेज में ऐसा वातावरण देखने को मिला, जहां कला, संस्कृति, प्रबंधन कौशल और नेतृत्व क्षमता एक साथ झलकती नजर आई। छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश स्पष्ट कर दिया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की जीवंत प्रक्रिया है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शोभा सिंह एवं डॉ. विनोद कुमार सिंह शामिल रहे। उद्घाटन सत्र में अतिथियों ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन आत्मविश्वास, टीमवर्क और रचनात्मक सोच को मजबूती प्रदान करते हैं। प्राचार्या डॉ. शोभा सिंह ने स्वागत भाषण में कॉलेज की शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छात्राओं को हर मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर देना ही संस्थान का उद्देश्य है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की छात्राएं ही कल की सशक्त नागरिक और नेतृत्वकर्ता बनेंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसने पूरे माहौल को गरिमा और ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद मंच पर प्रस्तुत गीत, नृत्य और संगीत कार्यक्रमों ने दर्शकों को बांधे रखा। देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुत नृत्य ने जहां राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रबल किया, वहीं गजल और स्वरचित कविताओं के पाठ ने छात्राओं की साहित्यिक संवेदनशीलता को उजागर किया। हर प्रस्तुति में आत्मविश्वास और अभ्यास की झलक साफ दिखाई दी, जिस पर दर्शकों ने तालियों के साथ उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुभाष चंद्रशेखर ने प्रभावशाली और सधे हुए अंदाज में किया। उनकी प्रस्तुति शैली ने कार्यक्रम की गति और आकर्षण को बनाए रखा, जिससे पूरे दिन का आयोजन सुव्यवस्थित और जीवंत बना रहा। वार्षिकोत्सव का विशेष आकर्षण रहा आनंद मेला, जहां कॉलेज परिसर में छात्राओं द्वारा लगाए गए व्यंजन स्टॉल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने। चाट, मिठाइयों से लेकर पारंपरिक और आधुनिक स्वादों तक, हर स्टॉल छात्राओं की मेहनत और रचनात्मकता का प्रतीक था। एसडीओ राकेश कुमार सहित अन्य अतिथियों ने स्टॉलों का निरीक्षण किया और व्यंजनों का स्वाद चखते हुए छात्राओं के प्रबंधन और उद्यमशील कौशल की सराहना की।

बाबू राजमोहन सिंह मेमोरियल टूर्नामेंट

क्वार्टर फाइनल में आरा ने बक्सर को 2-1 से हराया, सेमीफाइनल में बनाई जगह

- **हजारों की संख्या में दर्शक रहे मौजूद, करतल ध्वनियों से हो रहा था खिलाड़ियों का हौसला**

केटी न्यूज/डुमरांव

ब्रह्मपुर प्रखंड के धरौली गांव स्थित जोगीबीर बाबा खेल मैदान में मंगलवार को फुटबॉल प्रेमियों को रोमांच से भर देने वाला मुकाबला देखने को मिला। बाबू राजमोहन सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट के चौथे दिन खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच ने दर्शकों की धड़कनें बढ़ा दीं। मैदान के चारों ओर बैठे हजारों खेल प्रेमी हर पास, हर टैकल और हर गोल पर तालियों और नारों से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते नजर आए। उक्वार्टर फाइनल मुकाबले का विधिवत उद्घाटन युवा उद्यमी पंकज सिंह और जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष सीता सिंह ने किया। दोनों अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर गेंद को किक मारकर मैच की शुरूआत कराई। इस दौरान मैदान में अनुशासन, उत्साह और खेल भावना का अनूठा संगम देखने को मिला। क्वार्टर फाइनल मुकाबला आरा एकादश और बक्सर के सोनपा की टीम के बीच खेला गया। मैच के पहले ही मिनट से दोनों टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया। बक्सर की टीम ने शुरूआती बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन आरा के डिफेंडरों ने सधे हुए खेल से हर हमले को नाकाम कर दिया। पहले हाफ में आरा की टीम ने शानदार तालमेल और तेज पासिंग के दम पर पहला गोल दागकर बढ़त बना ली। गोल होते ही दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। दूसरे हाफ में बक्सर की टीम ने वापसी करते हुए एक गोल कर मुकाबले को बराबरी पर लाने की कोशिश की, लेकिन आरा ने जल्द ही दूसरा गोल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। निर्धारित समय तक चले इस रोमांचक मुकाबले में आरा ने बक्सर को 2-1 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मैच के दौरान खिलाड़ियों की फुर्ती, रणनीति और फिटनेस ने यह साबित कर दिया कि ग्रामीण इलाकों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। दर्शक हर मूव पर झूमते नजर आए और पूरा मैदान खेल के रंग में रंगा रहा। मुख्य अतिथि पंकज सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे ऐतिहासिक और भव्य टूर्नामेंट ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा विकसित करता है, जो जीवन में भी सफलता का आधार बनता है।

फाइनल 26 दिसंबर को, इनाम राशि आकर्षण का केंद्र

मुख्य आयोजनकर्ता एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता बाबू मनोज सिंह ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बाबू राजमोहन सिंह की जयंती पर इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट का आयोजन किया गया है। डुमरांव विधायक राहुल सिंह ने जानकारी दी कि 26 दिसंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। विजेता टीम को 5 लाख रुपये नकद और कप, जबकि उपविजेता टीम को 2 लाख 51 हजार रुपये नकद पुरस्कार दिया जाएगा। मैच में मुख्य रेफरी मोहम्मद सलाम रहे, जबकि सहायक रेफरी की भूमिका शशि कुमार सुमन, संतोष पांडेय, पप्पू कुमार सिंह और जनार्दन सिंह ने निभाई। उद्घोषणा आशुतोष पांडेय ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और खेल प्रेमी मौजूद रहे, जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ गई। धरौली का यह मैदान अब सिर्फ खेल का नहीं, बल्कि सपनों और संघर्ष की कहानी कहता नजर आ रहा है।

डुमरांव स्टेशन की लापरवाही उजागर: तकनीकी खामी ने डेढ़ घंटे तक यात्रियों को अंधेरे में छोड़ा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव रेलवे स्टेशन पर मंगलवार की शाम एक बार फिर रेलवे प्रशासन की तैयारियों की पोल खुल गई। मामूली तकनीकी खामी ने ऐसा हाल पैदा कर दिया कि करीब डेढ़ घंटे तक पूरा स्टेशन अंधेरे में डूबा रहा और सैकड़ों यात्री बेहाल नजर आए। शाम 5 बजकर 25 मिनट पर अचानक बिजली गुल होते ही प्लेटफॉर्म से लेकर पूछताछ काउंटर और आवागमन मार्ग तक घुप्प अंधेरा छा गया। स्टेशन जैसे संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थान पर वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था का न होना यात्रियों के लिए भारी मुसीबत बन गया। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे अंधेरे में ट्रेन पकड़ने के लिए इधर-उधर भटकते दिखे। कई यात्रियों को मोबाइल की टॉर्च जलाकर प्लेटफॉर्म पर रास्ता तलाशना पड़ा। अंधेरे के कारण ट्रेन की स्थिति समझना भी मुश्किल हो गया, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

इस दौरान सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हुए। पर्याप्त रोशनी नहीं होने से यात्री भयभीत दिखे और किसी अनहोनी की आशंका बनी रही। यात्रियों का कहना है कि डुमरांव जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन पर अगर एक तकनीकी खराबी से पूरा सिस्टम ठप हो जाए, तो यह रेलवे की गंभीर लापरवाही को दशार्ता है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, पैनल रूम की वायरिंग में खराबी के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी, जिसे ठीक करने के बाद शाम 6 बजकर 39 मिनट पर बिजली बहाल की जा सकी। लेकिन तब तक यात्रियों को लंबा इंतजार और परेशानी झेलनी पड़ी। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कदम उठाए जाएं। वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि भविष्य में तकनीकी खामी यात्रियों के लिए अंधेरे और असुरक्षा का कारण न बन जाए।

बक्सर में 26 दिसंबर को लगेगा एक दिवसीय जॉब कैम्प, 30 शिक्षकों की होगी ऑन-स्पॉट नियुक्ति

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर प्रदान करते हुए जिला नियोजनालय, बक्सर द्वारा 26 दिसंबर को एक दिवसीय जॉब कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी प्रणव प्रतीक ने दी। उन्होंने बताया कि यह जॉब कैम्प जिला नियोजनालय के कार्यालय परिसर स्थित संयुक्त श्रम भवन, आईटीआई फील्ड, बक्सर में आयोजित होगा।

जॉब कैम्प में फ्रिडम इमप्लायब्लिटि नामक निजी कंपनी भाग ले रही है, जो टीचर पद के लिए कुल 30 अभ्यर्थियों का चयन करेगी। चयन प्रक्रिया पूरी तरह से अभ्यर्थियों की योग्यता के आधार पर ऑन स्पॉट की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 13 हजार रुपये वेतन दिया जाएगा। इस पद के लिए आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक के साथ बेसिक इंग्लिश ज्ञान होना अनिवार्य है।

प्रभारी पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जॉब कैम्प में भाग लेने के लिए जिला नियोजनालय में निबंधन अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी अब तक निबंधित नहीं हो पाए हैं, वे नेशनल कैरियर सर्विस के पोर्टल पर ऑनलाइन निबंधन कर सकते हैं। जॉब कैम्प में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा।

इच्छुक अभ्यर्थियों को जॉब कैम्प के दिन अपना बायोडाटा एवं आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा। नियुक्ति से संबंधित सभी शर्तों के लिए संबंधित नियोजक स्वयं जिम्मेदार होंगे। इस पूरी प्रक्रिया में जिला नियोजनालय की भूमिका केवल सुविधा प्रदाता की होगी।

जॉब कैम्प का आयोजन पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न तीन बजे तक किया जाएगा। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने जिले के सभी योग्य एवं बेरोजगार युवाओं से अपील की है कि वे इस जॉब कैम्प में भाग लेकर रोजगार के इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं।

चौसा स्टेशन पर छह सूत्री मांग को लेकर यात्री संघर्ष मोर्चा का अनशन व प्रदर्शन

केटी न्यूज/चौसा

ऐतिहासिक, धार्मिक और औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चौसा क्षेत्र की लगातार हो रही अनदेखी के विरोध में मंगलवार को चौसा रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे यात्री संघर्ष समिति द्वारा अनशन एवं प्रदर्शन किया गया। आंदोलन का नेतृत्व समिति के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव ने किया, जबकि संचालन अधिवक्ता रामलखन पाल ने किया। आंदोलन को देखते हुए रेल पुलिस बल एवं प्रशासनिक अधिकारी पूरे समय मौके पर तैनात रहे।

अनशन पर बैठे आंदोलनकारियों ने कहा कि चौसा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को रेलवे सुविधाओं से वंचित रखना यहां के लोगों के साथ अन्याय है। वक्ताओं ने बताया कि महर्षि च्यवन की तपोभूमि, शेरशाह सूरी की ऐतिहासिक विजयस्थली और उत्तरायणी मां गंगा के पावन तट पर बसे चौसा में आज भी यात्रियों को बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझना पड़ता है।

समिति की ओर से श्रमजीवी एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस, जनशताब्दी एक्सप्रेस एवं हावड़ा-अमृतसर मेल के ठहराव की मांग प्रमुखता से उठाई गई। साथ ही 53202/53201 बक्सर-पटना फास्ट पैसेंजर ट्रेन को चौसा स्टेशन तक विस्तारित करने और स्टेशन पर यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाएं बहाल करने की मांग दोहराई गई। वक्ताओं ने कहा कि चौसा थर्मल पावर प्लांट जैसी 1320 मेगावाट की राष्ट्रीय परियोजना यहां संचालित है, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रमिकों और अधिकारियों का आनाहजाना होता है, लेकिन रेलवे की उदासीनता के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

डॉ. मनोज कुमार यादव ने कहा कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और गैर-राजनीतिक है। समिति का उद्देश्य किसी राजनीतिक लाभ के बजाय यात्रियों के हक और क्षेत्र के विकास को लेकर रेलवे प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

अनशन-प्रदर्शन में प्रो. रमेश चंद्र श्रीवास्तव, राम ईश्वर चौहान, मीर हमजा खान, मुखिया ममता देवी, अधिवक्ता रामचंद्र मालाकार, इंजीनियर नीलेश तिवारी, डॉ. सुनील सिंह, रामनिवास सिंह, रामाशीष कुशवाहा, डॉ. सुषमा कुमारी, विजय राम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण व यात्री शामिल रहे।

Mob: 9122226720
कुमार आर्योपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, छेलवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरुण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरुवार

गेहूं के घटिया बीज का आरोप : अनुदान योजना पर सवाल

किसान की फसल बर्बाद, 50 हजार के नुकसान का दावा

केटी न्यूज/डुमरांव

सरकारी अनुदान पर किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे बीजों की गुणवत्ता एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। नया भोजपुर निवासी किसान अवध बिहारी पांडेय ने डुमरांव प्रखंड कृषि कार्यालय से मिले गेहूं के बीज को घटिया बताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। किसान का कहना है कि विभाग द्वारा ह्लउच्च उत्पादकह्व बताकर दिए गए बीज ने खेत में दम तोड़ दिया, जिससे पूरी बुवाई ही बेकार हो गई। किसान अवध बिहारी पांडेय के अनुसार उन्होंने प्रखंड कृषि कार्यालय से अनुदानित दर पर 80 किलो गेहूं का बीज खरीदा था। यह बीज एचडी 2967 किस्म का बताया गया था, जिसे बेहतर उत्पादन के लिए प्रचारित किया जाता है। उन्होंने मौजा भोजपुर जदीद में लगभग एक एकड़ 50 डिसमिल भूमि में नियमानुसार जुताई, खाद और सिंचाई के बाद बीज की बुवाई की। लेकिन 14 दिन बीत जाने के बाद भी खेत में एक भी पौधा अंकुरित नहीं हुआ। किसान का कहना है कि पूरी जमीन खाली पड़ी रह गई, जबकि अन्य किसानों के खेतों में सामान्य रूप से फसल उग चुकी है। समय निकल जाने के कारण अब दोबारा बुवाई भी संभव नहीं रह गई है। इससे न केवल इस सीजन की फसल हाथ से निकल गई, बल्कि उनकी महीनों की मेहनत और पूंजी भी डूब गई। अवध बिहारी पांडेय ने इस पूरे मामले को लेकर जिला कृषि पदाधिकारी को लिखित शिकायत सौंपी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बिना गुणवत्ता जांच के किसानों को बीज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसका खामियाजा सीधे किसानों को भुगतना पड़ रहा है। किसान ने करीब 50 हजार रुपये के नुकसान का अनुमान जताया है, जिसमें बीज, खेत की तैयारी, खाद, सिंचाई और मजदूरी का खर्च शामिल है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कृषि विभाग ने जांच टीम गठित कर किसान के खेत का निरीक्षण कराया है। हालांकि जांच रिपोर्ट का इंतजार है, लेकिन यह मामला सरकारी अनुदान योजनाओं की पारदर्शिता और गुणवत्ता नियंत्रण पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। वहीं, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी वेद प्रकाश ने बताया कि संभवतः कोई लाट खराब आ गया होगा। यदि विभाग की तरफ से कोई गड़बड़ी हुई होगी तो जांच के बाद संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

न्यायालय के हुक्म से अतिक्रमणमुक्त हुआ सिकरौल का सार्वजनिक पोखरा, चला बुलडोजर

- **सार्वजनिक जलस्रोत बचाने के लिए प्रशासन का बड़ा एक्शन, वर्षों पुराना अवैध कब्जा ध्वस्त**

केटी न्यूज/चौसा

सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने अब निर्णायक रुख अख्तियार कर लिया है। माननीय उच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देश के बाद चौसा प्रखंड अंतर्गत सिकरौल गांव स्थित ऐतिहासिक पोखरे को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए प्रशासन ने यह संदेश दे दिया कि सरकारी जलस्रोतों से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंगलवार को चले विशेष अभियान में वर्षों से पोखरे की भूमि पर जमे अवैध निमार्णों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई सिर्फ जमीन खाली कराने तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसके जरिए प्रशासन ने गांव के जीवनदायी जलस्रोत को पुनर्जीवित करने की दिशा में ठोस पहल की। स्थानीय लोगों के अनुसार सिकरौल पोखरा कभी गांव की प्रमुख जलापूर्ति और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र हुआ करता था, लेकिन अतिक्रमण के कारण इसका अस्तित्व धीरे-धीरे सिमटता चला गया। अभियान का नेतृत्व अंचल पदाधिकारी नीलेश कुमार ने किया। उनके साथ राजस्व अधिकारी उद्धव मिश्रा और राजपुर थानाध्यक्ष श्रीनिवास कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात रहे। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। पूरे क्षेत्र को घेराबंदी में लेकर बुलडोजर चलाया गया और पोखरे की जमीन पर बनी झोपड़ियों एवं कच्चे मकानों को हटाया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सिकरौल पोखरा सरकारी रिकॉर्ड में सार्वजनिक जलस्रोत के रूप में दर्ज है। ऐसे में उस पर निजी कब्जा न सिर्फ गैरकानूनी है, बल्कि पर्यावरण और ग्रामीण हितों के खिलाफ भी है। इस मामले में कुल 26 अतिक्रमणकारियों को पहले ही विधिवत नोटिस जारी कर स्वेच्छा से कब्जा हटाने का अवसर दिया गया था। तय समय सीमा समाप्त होने के बावजूद जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तब न्यायालय के आदेश के आलोक में सख्त कदम उठाना पड़ा। अंचल पदाधिकारी नीलेश कुमार ने कहा कि यह कार्रवाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून और सार्वजनिक हित में की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पोखरे जैसे जलस्रोत गांवों की अमूल्य धरोहर हैं और इनके संरक्षण के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि कार्रवाई के दौरान मानवीय पक्ष को नजरअंदाज नहीं किया गया। जांच में 13 परिवार वास्तविक रूप से भूमिहीन पाए गए हैं, जिनके पुनर्वास के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस अभियान के बाद गांव में चर्चा का माहौल है। कई ग्रामीणों ने प्रशासनिक कदम का समर्थन करते हुए कहा कि पोखरा मुक्त होने से जल संरक्षण, पशुपालन और पर्यावरण संतुलन को लाभ मिलेगा। वहीं प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जिले के अन्य सार्वजनिक जलस्रोतों और सरकारी जमीनों पर भी अवैध कब्जे चिन्हित किए जा रहे हैं और आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। सिकरौल पोखरे से हटाया गया अतिक्रमण अब प्रशासन की सख्ती और न्यायालय के आदेश की ताकत का प्रतीक बन गया है, जिसने साफ कर दिया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है।

डीएम साहिला का सदर अस्पताल पर औचक छापा, स्वास्थ्य सेवाओं की खुली पोल

- **साफ-सफाई, इलाज और व्यवहार में लापरवाही पर सख्त रुख, बायोमैट्रिक हाजिरी और होमगार्ड तैनाती के निर्देश**

केटी न्यूज/बक्सर

आमजनों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी बक्सर साहिला ने मंगलवार को सदर अस्पताल बक्सर का औचक निरीक्षण किया। अचानक पहुंचे डीएम के निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया और कई अहम निर्देश जारी किए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने इमरजेंसी वार्ड, प्रसव कक्ष, शिशु वार्ड, महिला वार्ड, पुरुष वार्ड, दवा वितरण काउंटर, प्रयोगशाला, एक्स-रे कक्ष सहित अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। कई स्थानों पर अव्यवस्था और साफ-सफाई में कमी पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि अस्पताल परिसर में हर हाल में पर्याप्त साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। मरीजों और उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पेयजल, शौचालय और बैठने की समुचित व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाला हर व्यक्ति सम्मान और संवेदनशीलता की अपेक्षा करता है, जिसे पूरा करना प्रशासन और स्वास्थ्यकर्मियों की जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चिकित्सकों, नर्सों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की भी जांच की। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद कर इलाज की स्थिति, दवा वितरण और स्वास्थ्यकर्मियों के व्यवहार के संबंध में फीडबैक लिया। कई मरीजों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं, जिन्हें जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुना और तत्काल समाधान के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सख्त शब्दों में कहा कि सदर अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर इलाज, आवश्यक दवाएं और सम्मानजनक व्यवहार हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। इलाज में लापरवाही या मरीजों से दुर्व्यवहार किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन बक्सर को निर्देश दिया कि रोस्टर के अनुसार होमगार्ड की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि अस्पताल में सुरक्षा और व्यवस्था बनी रहे। इसके साथ ही उन्होंने सभी चिकित्सकों की उपस्थिति बायोमैट्रिक प्रणाली के माध्यम से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, जिससे ड्यूटी में लापरवाही पर अंकुश लगाया जा सके। जिलाधिकारी ने डीपीएम जीविका के माध्यम से संचालित सभी कार्यों की भी समीक्षा की और उन्हें और बेहतर एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया।

एसडीएम ने किया डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं को परखा

डुमरांव। अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव राकेश कुमार ने मंगलवार को अनुमंडलीय अस्पताल, डुमरांव का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। अचानक हुए इस निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सीय सेवाओं, दवा वितरण व्यवस्था, साफ-सफाई, रोगी पंजीयन, आपातकालीन सेवाओं एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में एसडीएम ने इमरजेंसी कक्ष, ओपीडी, दवा काउंटर, वार्ड एवं पंजीयन कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे संवाद कर उपचार की गुणवत्ता, दवाओं की उपलब्धता तथा अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मरीजों से मिली प्रतिक्रियाओं के आधार पर एसडीएम ने अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। एसडीएम राकेश कुमार ने साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अस्पताल परिसर में नियमित स्वच्छता अभियान चलाने तथा समयबद्ध रूप से दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मरीजों को बेहतर, संवेदनशील और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने संबंधित प्रभारी पदाधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

एक नजर

दुर्घटना मामले में दर्ज हुआ एफआईआर चालक को पुलिस ने भेजा जेल

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के मोतीसाबाद के समीप सड़क दुर्घटना में 60 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई थी। इस मामले में स्वजनों के बयान पर स्थानीय पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार चालक को जेल भेज दिया है। चालक की पहचान डुमरांव के खिरौली गांव निवासी रविकांत चौबे के रूप में हुई है। बता दें कि सोमवार को सड़क पर करने के दौरान मोतीसाबाद निवासी पुनछतर बिंद की 60 वर्षीय पत्नी लालती देवी तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आ गई थी, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। हालांकि, ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन तथा चालक को पकड़ पुलिस को सुपुर्द कर दिया था। कोरानसराय थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि चालक को जेल भेजने के साथ ही मामले की जांच की जा रही है।

विभिन्न मामलों में तीन गिरफ्तार, जेल

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने विभिन्न मामलो में कुल तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इनमें दो पर शराब पीकर हंगामा करने का आरोप है, जबकि तीसरे पर न्यायालय से इश्तेहार वारंट निर्गत हुआ था। थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने बताया कि कोरानसराय चौक से शराब के नशे में नावानगर थाना क्षेत्र के दंगौली गांव निवासी विनय कुमार व रोहित कुमार को जबकि कोरानसराय गांव से इश्तेहार वारंटी नित्यानंद तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराबियों को न्यायिक हिरासत में भेजने से पहले मेडिकल जांच करवाया गया था, जहां शराब पीने की पुष्टि हुई थी। वहीं, नित्यानंद के खिलाफ न्यायालय ने इश्तेहार वारंट जारी किया था। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में शराबियों व वारंटियों में हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि इलाके में शांति-व्यवस्था स्थापित करने के लिए पुलिस लगातार सक्रियता दिखा रही है।

बक्सर में रंगेहाथ पकड़ाया मोबाईल चोर

बक्सर। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत बक्सर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने एक शातिर मोबाइल चोर को रंगेहाथ गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई न केवल यात्रियों के बीच सुरक्षा का भरोसा बढ़ाने वाली है, बल्कि स्टेशन और ट्रेनों में सक्रिय असामाजिक तत्वों के लिए कड़ा संदेश भी है।

वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दानापुर उदय सिंह पवार के निर्देश और निरीक्षक प्रभारी कुंदन कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ व सीआईबी की संयुक्त टीम स्टेशन परिसर में लगातार निगरानी कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफार्म संख्या दो और तीन के पूर्वी छोर पर एक युवक संदिग्ध अवस्था में बैठा नजर आया। पुलिस टीम को देखते ही उसके भागने के प्रयास ने संदेह को और गहरा कर दिया, लेकिन तत्परता दिखाते हुए जवानों ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक महंगा स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने रात्रि के समय गाड़ी संख्या 15484 डाउन में यात्रा कर रहे एक यात्री के सोते समय मोबाइल चोरी किया था। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी बक्सर को सौंप दिया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान गुड्डू नट (22 वर्ष), पिता सहेंद्र नट, निवासी बेलवानिया मझुआ, थाना बिहिया, जिला भोजपुर के रूप में हुई है। आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्टेशन और ट्रेनों में गश्त और निगरानी लगातार जारी रहेगी। हाल के दिनों में हुई लगातार गिरफ्तारियों से यह स्पष्ट है कि आरपीएफ चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है।

निपुण भारत अभियान को मजबूती : शिक्षकों के नवाचारों से सजा प्रखंड स्तरीय टीएलएम मेला

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड संसाधन केंद्र, केसठ के प्रांगण में मंगलवार को आयोजित प्रखंड स्तरीय निपुण टीएलएम मेला ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि शिक्षण में रचनात्मकता और नवाचार का समावेश हो, तो प्राथमिक शिक्षा को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। इस मेले का आयोजन निपुण भारत अभियान के तहत किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों की बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक दक्षता को सुदृढ़ करना रहा। मेले में संकुल स्तर पर चयनित शिक्षकों ने भाषा, गणित और पर्यावरण विषयों से जुड़ी विविध शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) का प्रदर्शन किया। प्रदर्शित सामग्री में स्थानीय संसाधनों से तैयार किए गए मॉडल, चार्ट, खेल आधारित शिक्षण सामग्री और गतिविधि आधारित उपकरण शामिल थे, जो बच्चों को सहज, रोचक और प्रभावी तरीके से सीखने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। इन नवाचारों ने यह दिखाया कि सीमित संसाधनों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव है। विभागीय निदेशों के अनुरूप आयोजित इस मेले में निर्णायक मंडली द्वारा शिक्षण सामग्री की उपयोगिता, रचनात्मकता और बच्चों पर पड़ने वाले शैक्षणिक प्रभाव के आधार पर मूल्यांकन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्राथमिक विद्यालय केसठ के शिक्षक विमलेश कुमार को प्रथम स्थान, जबकि अनुसूचित जाति प्राथमिक विद्यालय कतकिनार के शिक्षक मुकेश प्रसाद सिंह को द्वितीय स्थान से सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडली में अनिल कुमार, भावना कुमारी एवं नशरूदीन अंसारी शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान संकुल समन्वयक मनोज कुमार, प्रीति यादव, विक्रम जयसवाल, साधनसेवी नागेन्द्र तिवारी, श्वेता कुमारी सहित कई शिक्षक एवं शिक्षा कर्मी उपस्थित रहे। टीएलएम मेला न केवल शिक्षकों के लिए सीखने का मंच बना, बल्कि प्राथमिक शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक पहल भी सिद्ध हुआ।

निजी भवनों से निकलेंगे आंगनबाड़ी केंद्र, सरकारी भूमि पर संचालन को लेकर प्रशासन सख्त

- **डुमरांव अनुमंडल में लंबित मामलों की समीक्षा, बुधवार को होगी संयुक्त बैठक**

केटी न्यूज/डुमरांव

आंगनबाड़ी सेवा योजना को सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में डुमरांव अनुमंडल प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। निजी भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को सरकारी भूमि अथवा उपयुक्त सरकारी स्थलों पर स्थानांतरित किए जाने को लेकर लंबित मामलों की समीक्षा के लिए अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव राकेश कुमार की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों में अब भी कई आंगनबाड़ी केंद्र निजी भवनों में संचालित हो रहे हैं, जो सरकारी दिशा-निदेशों के अनुरूप नहीं है। अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार नावानगर प्रखंड में 14, डुमरांव प्रखंड में 10, ब्रह्मपुर प्रखंड में 4 तथा चक्की प्रखंड में 2 आंगनबाड़ी केंद्र निजी भवनों में संचालित हैं। इन केंद्रों के लिए शीघ्र सरकारी या उपयुक्त स्थल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

बैठक में एसडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर सेविका या सहायिका द्वारा अब तक उपयुक्त स्थल उपलब्ध नहीं कराया गया है, वहां संबंधित अंचलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर भूमि की पहचान एवं उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को मिलने वाली सुविधाओं से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही निजी भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भूमि उपलब्ध कराने तथा अतिक्रमण से जुड़े मामलों की गहन समीक्षा के उद्देश्य से 24 दिसंबर को अपराह्न 4 बजे संयुक्त बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस बैठक में अंचलाधिकारी, संबंधित सीडीपीओ, मनरेगा पीओ एवं राजस्व कर्मी शामिल होंगे। बैठक में सरकारी भूमि की उपलब्धता, अतिक्रमण हटाने और निर्माण प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की रणनीति पर निर्णय लिया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थायी और सुरक्षित सरकारी स्थलों पर संचालित कर योजना के वास्तविक लाभार्थियों तक सुविधाएं पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मेथोडिस्ट हॉस्पिटल में प्रभु यीशु के जन्म का हुआ नाट्य मंचन

केटी न्यूज/डुमरांव

देवदूत धरती पर आकर एक नवजात बच्चे का अभिनंदन कर रहे हैं। बड़े-बड़े राजा उपहार लेकर प्रभु के दर्शन के लिए आ रहे हैं। कुछ आमलोग कद्दू और खाने की चीजों के साथ प्रभु के दर्शन के लिए शामिल हो रहे हैं। यीशु के जन्म पर कुछ लोग गीत गा रहे हैं.. ये दृश्य प्रभु यीशु के जन्म के नाट्य मंचन का था। ये नाट्य मंचन प्रतापसागर स्थित मेथोडिस्ट अस्पताल परिसर में क्रिसमस डे के आगाज के अवसर पर प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा पारंपरिक कपड़ों में सजकर प्रभु यीशु के जन्म की पूरी कहानी को स्टेज पर उतार दिया। प्रभु के जन्म के वक्त पूरा हॉल शांत हो गया केवल स्टेज से आवाज आ रही थी। सभी दृश्य सजीव हो गए थे। इस दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉ आरके सिंह ने क्रिसमस मैसेज देते हुए कहा कि प्रभु यीशु का जन्म धरती पर शांति, भाईचारे और सेवा के लिए हुआ था। समाज में एक शांतिपूर्ण वातावरण बनाना ही क्रिसमस का सबसे बड़ा संदेश है। प्रभु ने हमारे बीच आदर्श जीवन को प्रस्तुत किया। अब ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम उसका पालन करें। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया में जो हालात है उनसे मानवता बहुत निराश है। इस अशांति को दूर करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु का धरती पर आना प्रेम के प्रसार के लिए हुआ था। प्रेम बांटने से बढ़ता है। जिस प्रेम को हम बांटते है उसी को वापस पाते हैं। प्रभु ने हमें कुछ दिया इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम भी समाज को प्रेम और शांति दें। अंधकार को अंधकार से नहीं प्रकाश से खत्म किया जा सकता है। वैसे ही नफरत को केवल प्रेम से खत्म किया जा सकता है। कार्यक्रम में गीत-संगीत में श्रोता डुबकी लगाते रहे। कलाकरों ने गीत-संगीत में अपनी प्रतिभा की प्रस्तुति कर खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम के डायरेक्टर प्रदीप कुमार ने बताया कि मैरी व जोसेफ बेथलेहम की ओर जा रहे थे। रास्ते मे काफी भीड़-भाड़ थी। काफी मुश्किलों का बीच उस रात वे एक तबेले में रात गुजारी, जहां जीसस का जन्म हुआ और एक खूबसूरत तारा दिखाई दिया।

मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता शिविर भ्रम और झिझक तोड़ने की अपील

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखण्ड कार्यालय परिसर में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आम लोगों को मानसिक बीमारियों के प्रति जागरूक करना, इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना और समय पर उपचार के लिए प्रेरित करना था। यह कार्यक्रम जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष काजल झाब तथा अवर न्यायाधीश सह सचिव नेहा दयाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर का संचालन पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं पीएलवी अनिशा भारती द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे और उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर गंभीरता से जानकारी प्राप्त की।

मानसिक बीमारी कोई शर्म की बात नहीं : मनोज श्रीवास्तव

पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक बीमारी एक कड़वी सच्चाई बन चुकी है। इसके बावजूद सबसे चिंताजनक बात यह है कि लोग या तो इसे स्वीकार नहीं करते या फिर इसके प्रति जागरूकता की भारी कमी है। समाज में मानसिक बीमारी को शर्म से जोड़कर देखने की मानसिकता विकसित हो गई है, जिसके कारण लोग इसके लक्षणों को भी पहचान नहीं पाते और समय पर इलाज से वंचित रह जाते हैं।

उन्होंने बताया कि मानसिक विकार ऐसी स्थितियां हैं जो व्यक्ति की सोच, भावना, मनोदशा और व्यवहार को प्रभावित करती हैं। ये विकार थोड़े समय के लिए भी हो सकते हैं या बार-बार उभर सकते हैं। इसका प्रभाव व्यक्ति के सामाजिक संबंधों और दैनिक कार्यक्षमता पर पड़ता है। चिंता, अवसाद, भोजन संबंधी विकार, व्यक्तित्व विकार, मनोविकृति, जुनूनी बाध्यकारी विकार, तनाव, आनुवंशिकता, नशीली दवाओं का दुरुपयोग जैसी कई मानसिक समस्याएं आज आम हो गई हैं।

समय पर परामर्श और पारिवारिक सहयोग जरूरी : अनिशा भारती

पीएलवी अनिशा भारती ने कहा कि जैसे ही मानसिक रोग के लक्षण प्रकट हों, बिना संकोच डॉक्टर या मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। यदि संभव हो तो परिवार या करीबी मित्रों का सहारा जरूर लें, ताकि वे चिकित्सक को आवश्यक जानकारी दे सकें। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध व्यक्ति के सोचने, महसूस करने और व्यवहार करने की क्षमता से है और सही परामर्श से इन समस्याओं का सफल प्रबंधन संभव है। शिविर के माध्यम से उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया गया कि मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य, और इसके प्रति जागरूकता ही स्वस्थ समाज की नींव है।

राधा शांता कॉलेज में 10 दिवसीय एनसीसी संयुक्त प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

■ कॉलेज के छात्रों ने जज्बात पूर्ण अनुशासन साथ किया ट्रेनिंग

केटी न्यूज/रोहतास

तिलौथू। प्रखंड क्षेत्र के राधा शांता कॉलेज में 13 बिहार बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर अपने सातवें दिन भी पूरे उत्साह अनुशासन पूर्ण साथ जारी रहा। मंगलवार को शिविर के अंतर्गत कैडेटों के सर्वांगीण विकास हेतु विविध प्रकार के शारीरिक,बौद्धिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शिविर की शुरूआत प्रातः कालीन फिजिकल ट्रेनिंग,पीटी से हुई,जिसमें कड़ाके की ठंड के बावजूद सभी एनसीसी कैडेटों ने अनुशासन और जोश के साथ भाग लिया। इसके उपरांत कैडेटों को सुसंगठित ड्रिल प्रशिक्षण दिया गया। जिससे उनमें टीम भावना,समयबद्धता और अनुशासन का विकास हो सके। इसके साथ ही कैडेटों को बारी-बारी से फायरिंग रेंज में ले जाकर हथियार संचालन एवं निशानेबाजी का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। वहीं पीआई स्टाफ द्वारा फील्ड सिग्नल विषय पर विशेष कक्षा का आयोजन कर कैडेटों को सैन्य संचार प्रणाली की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। शिविर का निरीक्षण करते हुए कैंप कमांडेंट कर्नल प्रदीप कुमार तक्षक ने बताया कि आज बटालियन के एएनओ लेफ्टिनेंट सच्चिदानंद सिंह, लेफ्टिनेंट अक्षय जैन, प्रमोद कुमार यादव एवं डीपी सिंह द्वारा अलग-अलग विषयों पर प्रभावशाली कक्षाएं ली गईं। इन कक्षाओं में पब्लिक स्पीकिंग, हेल्थ एवं हाइजीन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर उदाहरणों के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे कैडेटों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े। संध्या सत्र में कैडेटों के मनोरंजन एवं टीम भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अभ्यास कराया गया। विशेष रूप से खेल प्रतियोगिता में आयोजित ह्वटग ऑफ वॉरह्व ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और कैडेटों में उत्साह का संचार किया। अवसर पर बटालियन के समस्त सैन्य एवं असैन्य कर्मियों के साथ-साथ कॉलेज के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से कैडेटों में अनुशासन, नेतृत्व,साहस और राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने खान निरीक्षक को किया निलंबित, कहा- राजस्व लक्ष्य से नहीं होगा समझौता

■ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने प्रेसवार्ता कर किया उद्भेदन

एजेंसी। पटना

बिहार में अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और राजस्व लक्ष्य से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होगा। यह बात उप मुख्यमंत्री सह खान एवं भू-तत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कही। वे मंगलवार को विभागीय कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विभाग के सचिव देवेश सेहरा, निदेशक मनेश कुमार मीणा, अपर सचिव भारत भूषण प्रसाद सहित सभी जिलों के खनिज विकास पदाधिकारी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री ने सभी जिलों को राजस्व समाहरण लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। राजस्व संग्रह की समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लक्ष्य से पीछे चल रहे पटना, रोहतास, औरंगाबाद और गया जैसे जिलों की अलग से समीक्षा की जाएगी। इसके लिए निदेशक मनेश कुमार मीणा को निर्देशित किया गया है। सभी जिलों को तीन दिनों के भीतर राजस्व लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य योजना तैयार करने को कहा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईंट भट्टों से खनन समेकित शुल्क वसूली के नाम पर किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य में लापरवाही और अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई में गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए दरभंगा जिले के खान निरीक्षक को निलंबित करने का निर्देश दिया गया है। वहीं खनिज विकास पदाधिकारी से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्तव्य में लापरवाही या मिलीभगत पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खान एवं भू-तत्व विभाग के लिए राज्यभर में 400 पुलिस बल की तैनाती के लिए गृह विभाग से अनुरोध किया जाएगा। साथ ही सहयोग नहीं करने वाले थानों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने बालू घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और अनियमित बालू घाटों की शीघ्र नीलामी के निर्देश दिए। जब्त बालू का 15 दिनों के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया है। ईंट भट्टों और बालू घाटों में कार्यरत कर्मियों को पहचान पत्र जारी करने का भी निर्णय लिया गया। भंडारण अनुज्ञप्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 29 दिसंबर और 16 जनवरी को विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

डीएम ने लोक शिकायत निवारण से जुड़े पांच मामलों का किया निष्पादन

केटी न्यूज/नवादा

मंगलवार को जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने अपने कार्यालय समक्ष में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपील की सुनवाई की। इस क्रम में कुल 07 परिवादी उपस्थित हुए, जिनमें से पांच मामलों का ऑन द स्पॉट निवारण कर दिया गया। द्वितीय अपील के अंतर्गत नारदीगंज थाना क्षेत्र के कहुआरा गांव निवासी राघवेन्द्र कुमार, सीतामढ़ी थाना क्षेत्र के शिवगंज सारंजय सिंह,मनीष कुमार, कलौंदा गांव निवासी प्रतिमा देवी तथा गांव ओढ़नपुर निवासी रामचंद्र सिंह द्वारा पारित आदेश से असंतुष्ट होकर बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत ऑनलाइन द्वितीय अपील दायर की गई थी। इस संबंधित मामलों में विभागीय पदाधिकारियों द्वारा जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके आधार पर शिकायतों का निपटारा कर दिया गया। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिनियम, 2015 के तहत किसी भी मामले की सुनवाई कर अधिकतम दो माह के भीतर निवारण किया जाता है। प्रखंड एवं पंचायत स्तर से संबंधित विवादों एवं समस्याओं के लिए अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय, नवादा सदर एवं रजौली में शिकायत दर्ज कराया जा सकता है। जिला स्तरीय समस्याओं एवं परिवादों के निवारण हेतु जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, नवादा का कार्यालय समाहरणालय परिसर में लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम भवन में संचालित है। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों को बुलाकर निष्पक्ष रूप से कार्रवाई की जाती है। लोक शिकायत निवारण की संपूर्ण प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है। शिकायत दर्ज करने, सुनवाई एवं अपील दायर करने के लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। आदेश से असंतुष्ट होने की स्थिति में निःशुल्क अपील की सुविधा भी उपलब्ध है।शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया को और सरल बनाया गया है। जो अब आम नागरिक ऑनलाइन माध्यम से भी अपनी शिकायतें एवं अपील दायर कर सकते हैं। जिसके संदर्भ में आमजन से अपील है कि वे बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अपनी शिकायत दर्ज कराएं और निश्चित समय-सीमा के भीतर समाधान प्राप्त करें।

सड़क सुरक्षा और साइबर अपराध पर एएसपी संकेत कुमार ने छात्रों को किया जागरूक

■ विद्यालय प्राचार्या के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन का हुआ भव्य स्वागत

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद बिक्रमगंज के सीनियर सेकेंड्री स्कूल में मंगलवार को सड़क सुरक्षा एवं साइबर अपराध पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम में अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी एएसपी संकेत कुमार ने विशेष रूप से विद्यालय पहुंचे उनके साथ स्थानीय थाना के थानाध्यक्ष ललन कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद रहे। विद्यालय प्रशासन की ओर से एएसपी संकेत कुमार समेत सभी पुलिस पदाधिकारियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके बाद कक्षा नौवीं से लेकर कक्षा बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए एएसपी संकेत कुमार ने सड़क सुरक्षा नियमों,ट्रैफिक सिग्नल के पालन, हेलमेट व सीट बेल्ट की अनिवार्यता,नाबालिग वाहन चलाने के दुष्परिणाम तथा साइबर क्राइम,ऑनलाइन फ्रॉड और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। उक्त अवसर पर एएसपी संकेत कुमार ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी तकनीक से जुड़ी है,लेकिन बिना सतर्कता के तकनीक खतरा भी बन सकती है। सड़क हो या साइबर दुनिया नियमों का पालन ही आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा की सबसे मजबूत ढाल है ।उन्होंने छात्रों से अपील की कि तेज रफ्तार से बचने और किसी भी संदिग्ध साइबर गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की आदत विकसित करे। कार्यक्रम के अंत में एएसपी संकेत कुमार द्वारा छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया । मौके पर एएसपी सह डीएसपी संकेत कुमार, थानाध्यक्ष ललन कुमार,विद्यालय की प्राचार्या सीमा कुमारी,स्थानीय थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी,विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं समेत छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे ।

एक नजर

संकुलधीन विद्यालयों का टीएलएम मेला कार्यक्रम का आयोजन

रजौली। प्रखंड अंतर्गत मंगलवार को संकूल संसाधन केंद्र मुरहेना के प्रांगण में संकुलधीन विद्यालयों का टीएलएम मेला का आयोजन संकूल संचालिका किरण कुमारी के नेतृत्व में किया गया। जिसमें सभी विद्यालयों का प्रदर्शनी लगाया गया जिसमें प्रथम स्थान मध्य विद्यालय दोपटा का रहा जिसका प्रतिनिधित्व अरुण कुमार महतो और सत्यम कुमार के ने की। द्वितीय स्थान उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुरहेना उर्दू सहित तृतीय स्थान उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुरहेना हिंदी का रहा। जिस कार्यक्रम अंतर्गत सभी लोगों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। जिसे लेकर रॉ. मध्य विद्यालय दोपटा के प्रभारी प्रधानाध्यापक देवेंद्र किशोर आर्य ने सभी प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया। साथ ही प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई दिए साथ ही साथ विद्यालय में उपस्थित चुन्नू कुमार शांडिल्य,डॉ अनिल कुमार सिन्हा ने भी बधाई दी गई। मौके पर सभी छात्र छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित थे।

सघन वाहन जांच अभियान चला जिला प्रशासन ने वसूला 10.10 लाख का जुर्माना

संवादाता। जिला परिवहन पदाधिकारी नवीन कुमार पांडेय के निर्देश में मंगलवार को समाहरणालय गेट, हिसुआ, नारदीगंज सहित विभिन्न जगहों पर पदाधिकारियों द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान बाइक चालकों का हेलमेट एवं ड्राइविंग लाइसेंस की अनिवार्यता, ट्रिपल लोडिंग एवं भारी वाहनों का फिटनेस, वाहन बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, परमिट की वैधता वाहन पर हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट, डी.एल सहित अन्य यातायात नियमों की सघन जाँच की गई। जिसके तहत यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 160 से अधिक वाहनों को चिन्हित करते हुए कुल 10.10 लाख रुपए से अधिक जुमार्ना राशि वसूली गई। इस संदर्भ में जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस प्रकार का जाँच अभियान आगे भी नियमित रूप से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा। साथ ही आमजनों से अपील करते हुए प्रशासन ने कहा कि वाहन चलाते समय सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें तथा यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि दोपहिया वाहनों के परिचालन में हेलमेट की अनिवार्यता सुनिश्चित करने हेतु ह्वनो हेलमेट, नो पेट्रोलह्व की नीति को सख्ती से लागू किया जाएगा। सभी पेट्रोल पंप मालिकों सह संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे उक्त नीति का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

एसपी ने नवनियुक्त पुलिस जवान का किया परेड निरीक्षण

संवादाता। मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस केंद्र नवादा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नवनियुक्त पुलिसकर्मियों की परेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान एसपी ने जवानों की परेड, अनुशासन तथा शारीरिक दक्षता का जायजा लिया और उनके प्रदर्शन की सराहना की। अधीक्षक ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि एक पुलिसकर्मी के जीवन में अनुशासन, ईमानदारी और जनसेवा की भावना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रशिक्षु जवानों को कानून व्यवस्था बनाए रखने, जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार करने तथा कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी।

गौ तस्कर पुलिस को देख ट्रक छोड़ हुए फरार, ट्रक से 29 मवेशी जब्त

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज थाना क्षेत्र में सासाराम रोड स्थित पटेल कॉलेज के समीप सोमवार को संध्या गश्ती के दौरान रात करीब 8 बजे एक ट्रक को जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान ट्रक चालक वाहन छोड़कर भागने लगा, जिसे गश्ती वाहन की मदद से पकड़ लिया गया। जब ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें अवैध रूप से लदे 29 गाय बरामद किए गए। पुलिस जब उक्त ट्रक को लेकर थाना ला रही थी, उसी समय ट्रक चालक ट्रक से कूदकर भाग गया। पुलिस ने खदेड़ा, लेकिन इस बार वह भागने में सफल रहा। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयत्नशील है। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि ट्रक को थाना वाहन के साथ सासाराम स्थित श्री कृष्ण गौशाला भेजा गया। इसी बीच ट्रक वहां से वापसी के दौरान मंगलवार को सुबह जैसे ही बिक्रमगंज थाना के पास पहुंची ट्रक चालक कोहरा का फायदा उठाकर ट्रक से कूदकर भाग गया।

जिला में मल्टीपर्पस मंथन कार्यक्रम का आयोजन

सासाराम। जिला मुख्यालय के फजलगंज स्थित मल्टीपर्पस हॉल में मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय उत्तरदायी प्रशासन, राजस्व सुधार एवं महिला सशक्तिकरण रहा। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि उत्तरदायी प्रशासन से ही जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव है। राजस्व सुधार को विकास की रीढ़ बताते हुए पारदर्शिता और तकनीकी सुधारों पर जोर दिया गया। वहीं महिला सशक्तिकरण को सामाजिक प्रगति की अनिवार्य शर्त बताते हुए महिलाओं को शिक्षा,स्वास्थ्य और आर्थिक रूप से मजबूत करने की आवश्यकता पर चर्चा की गई। मंथन कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशासन और समाज के बीच संवाद स्थापित कर विकास से जुड़े मुद्दों पर सार्थक विमर्श करना था। अंत में प्रतिभागियों ने सुझाव साझा किए और इन्हें अमल में लाने पर सहमति जताई।

डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर जिलास्तरीय की समीक्षा बैठक

केटी न्यूज/नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में मंगलवार को जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से डीआरडीए सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गैर-संचारी रोग, टीबी उन्मूलन, टीकाकरण, एचपीवी वैक्सीनेशन,संस्थागत प्रसव,डायरिया नियंत्रण सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। जानकारी दी गई कि जिले की 19 पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की जा चुकी हैं। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी एमओआईसी एवं प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधकों को निर्देश दिया गया कि मृत्यु उपरांत एम्बुलेंस के माध्यम से ही शवों को घर तक पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत ईएमटी एवं एम्बुलेंस ड्राइवर का चयन रैंडमाइजेशन के माध्यम से करना सुनिश्चित करें तथा ईएमटी का परीक्षा उपरांत ही लेवल जांच किया जाए एवं अनुभवी ईएमटी के द्वारा ही कार्य संचालित किया जाए।जिला पदाधिकारी ने सभी एमओआईसी को निर्देश दिया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें एवं आने वाले रोगियों की समुचित जांच कर उनका उपचार करें। मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अस्पताल में उपलब्ध सभी संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी एमओआईसी को निर्देश दिया कि अस्पताल में मरीजों को अधिक समय तक प्रतीक्षा न करनी पड़े, इसके लिए भव्या ऐप का शत-प्रतिशत उपयोग किया जाए। मरीज को दी जा रही दवाओं की प्रविष्टि भी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही जिला स्वास्थ्य समिति, नवादा द्वारा परिवार नियोजन कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। बैठक में एनएसवी पखवाड़ा (28 नवंबर से 12 दिसंबर 2025) की प्रगति, एफपीएलएमआईएस नवंबर 2025 रिपोर्ट, शून्य परिवार नियोजन सेवा रिपोर्टिंग करने वाले स्वास्थ्य संस्थानों तथा परिवार नियोजन सामग्रियों की उपलब्धता की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि एफपीएलएमआईएस में समय पर एवं शुद्ध प्रविष्टि सुनिश्चित करें तथा शून्य रिपोर्टिंग वाले संस्थानों में सेवाएं सुदृढ़ की जाएं। साथ ही परिवार नियोजन सामग्रियों की कमी को दूर करने हेतु समयबद्ध आपूर्ति एवं बेहतर प्रबंधन पर बल दिया गया।बैठक में यह संकल्प लिया गया कि जिले में परिवार नियोजन सेवाओं की गुणवत्ता, उपलब्धता एवं निगरानी व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

बैठक में पीपीटी प्रेजेंटेशन के दौरान जिला प्रतिनिधि पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया श्री नवीन कुमार पांडेय ने बताया कि पखवाड़ा अंतर्गत पुरुष नसबंदी में नवादा जिला राज्य में पाँचवें स्थान पर रहा है। परिवार नियोजन संसाधनों के वितरण में छाया में तीसरा, माला-एन में तीसरा, इमरजेंसी कंडोम में चौथा, कॉपर-टी संस्थापन में सातवां तथा महिला बंध्याकरण में 18वां स्थान प्राप्त किया गया है। इसमें काशीचक प्रथम, वारसलीगंज, रजौली, नारदीगंज, नरहट एवं पकरीबरावां प्रखंडों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा।

किसान दिवस पर कृषि धनगाई फार्म में किसानों को किया गया सम्मानित

केटी न्यूज/रोहतास

कृषि विज्ञान केंद्र,रोहतास द्वारा धनगाई फार्म में किसान दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों के योगदान को सम्मान देना,उन्हें नवीन कृषि तकनीकों से अवगत कराना तथा आयवर्धन के उपायों पर चर्चा करना रहा। आयोजित कार्यक्रम में कुल 266 प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जिनमें 94 पुरुष किसान एवं 172 महिला किसान शामिल रहीं। इस अवसर पर कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 प्रगतिशील किसानों अर्जुन सिंह, लाल बाबू सिंह, सुनील कुमार, मनोज कुमार, धनंजय सिंह, मुन्नी देवी, अंजू देवी इत्यादि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय की 14 छात्राओं ने भी भाग लिया। इस दौरान बिहार सरकार कृषि मंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किसानों को संबोधित कर उन्होंने किसानों को देश की अर्थव्यवस्था की आधारशिला बताते हुए प्राकृतिक खेती,फसल विविधीकरण, जल संरक्षण एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष तौर पर नए जी राम जी योजना की जानकारी दी जिसमें उन्होंने बताया कि अब 125 कार्य दिवस की गारंटी सरकार इस योजना के तहत देगी। किसानों को बुवाई एवं कटाई के दौरान मजदूरों की समस्या भी इस योजना से दूर की जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र प्रधान आरके जलज ने की। उक्त मौके पर उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक शोध को खेत तक पहुँचाना है, ताकि किसान कम लागत में अधिक उत्पादन कर सकें और उनकी आय में वृद्धि हो। उन्होंने फसल चक्र के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक ही खेत में बार-बार एक ही फसल उगाने से मृदा की उर्वरता घटती है तथा कीट रोगों की समस्या बढ़ती है। दलहनी फसलों को फसल चक्र में शामिल करने से मृदा में नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ती है और उत्पादन लागत कम होती है। जबकि डॉ. रतन कुमार,उद्यान वैज्ञानिक ने मृदा परीक्षण को किसान के लिए इलाज से पहले जांच बताते हुए कहा कि बिना मृदा परीक्षण के उर्वरकों का प्रयोग अनावश्यक खर्च बढ़ाता है और मृदा को नुकसान पहुँचाता है। उन्होंने किसानों से मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर संतुलित उर्वरक उपयोग करने की अपील की। उन्होंने प्राकृतिक खेती पर भी विशेष जोर देते हुए बताया कि गोबर,गोमूत्र, जीवामृत, घनजीवामृत एवं जैविक घोलों के प्रयोग से खेती की लागत घटती है, मृदा का स्वास्थ्य सुधरता है तथा उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ती है।

बिहार में 217 रेलवे ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज का निर्माण, 18 महीने में पूरा होगा प्रोजेक्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में रेलवे फाटक सुधार और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बड़ी पहल की जा रही है। राज्य सरकार और रेल मंत्रालय के बीच हुए एमओयू के अनुसार, बिहार में लगभग 217 रेलवे ओवर ब्रिज (ROB) और रेलवे अंडर ब्रिज (RUB) का निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना लोगों को यातायात में आसानी और सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ राज्य की रेलवे कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगी। जानकारी के अनुसार, यह निर्माण कार्य अगले 18 महीनों के अंदर पूरा किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया है कि इस परियोजना में किसी भी तरह की एनओसी की समस्या नहीं आएगी और निर्माण समय पर पूरा करने की पूरी योजना बनाई गई है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद

लगभग 20 लाख से अधिक लोग प्रतिदिन इसके फायदे उठा सकेंगे। आरओबी और आरयूबी मुख्य रूप से उन रेल फाटकों पर बनाए जाएंगे, जहां यातायात का दबाव अधिक है और सड़कझरेल संपर्क में परेशानी होती है। इन फाटकों में दानापुर, फुलवारी शरीफ, मसौढ़ी, थलवारा-लहेरियासराय, वारिसलीगंज-नवादा, डुमरांव-बरूना, मशरख-श्याम कौड़िया, बरौनी-तिलरथ, सहरसा-पूर्णिया, सुगौली-मंझौलिया, चकिया-मेहसी, रघुनाथपुर, बरौनी-तेघड़ा समेत लगभग 217 रेलवे फाटक शामिल हैं।इतिहास की बात करें तो, यह एमओयू 2019 में राज्य सरकार और रेल मंत्रालय के बीच साइन किया गया था। उस समय बिहार में केवल 44 रेलवे ओवर ब्रिज बनाने का निर्णय लिया गया था। आरओबी निर्माण के खर्च में राज्य सरकार की भी सहभागिता रही थी। अब इस परियोजना के तहत संख्या बढ़कर 217 हो गई है, जिससे राज्य के अलग-अलग जिलों में रेलवे कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। रेल मंत्रालय और राज्य सरकार का उद्देश्य न केवल यातायात को सुगम बनाना है, बल्कि रेलवे सुरक्षा और समय की बचत भी सुनिश्चित करना है। रेलवे ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज बनने से सड़क पर रेल क्रॉसिंग की वजह से होने वाले जाम और दुर्घटनाओं में कमी आएगी। बिहार में रेलवे कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई पहल की जा चुकी हैं। नए रेलवे ट्रैक बिछाने और रेलवे फाटक पर फ्लइ/फ्वइ बनाने की योजना से न केवल रोजमर्रा के यातायात में सुधार होगा बल्कि लोगों की यातायात सुरक्षा और सुविधा भी बढ़ेगी। इसके अलावा, माल ढुलाई और आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी, क्योंकि भारी ट्रक और गाड़ियों को रेल क्रॉसिंग पर रुकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रेल अधिकारियों के अनुसार, निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए आधुनिक तकनीक और उच्च गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया जाएगा। प्रोजेक्ट की निगरानी नियमित रूप से की जाएगी ताकि 18 महीने के भीतर निर्माण समय पर पूरा हो सके। इस परियोजना के शुरू होने से बिहार में रेलवे और सड़क नेटवर्क के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा। यह कदम राज्य की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में भी योगदान देगा। रेलवे ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि दुर्घटनाओं में कमी आएगी और लोगों की यात्रा सुरक्षित होगी। कुल मिलाकर, बिहार में 217 रेलवे ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज का निर्माण परियोजना एक बड़ी और महत्वपूर्ण पहल है, जो राज्य की कनेक्टिविटी, सुरक्षा और आर्थिक विकास को नई ऊँचाई पर ले जाएगी।

एक नजर

सीवान में 40 हजार की रिश्वत लेते दरोगा गिरफ्तार, नाम हटाने के बदले ले रहा था घूस

सीवान। सीवान जिले में निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक दरोगा को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सिसवन थाना में पदस्थापित एसआई कन्हैया कुमार सिंह को 40 हजार रुपये घूस लेते हुए पकड़ा गया है। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है।मामले के संबंध में बताया जाता है कि सिसवन थाना क्षेत्र के निवासी सुनील कुमार के घर 18 दिसंबर को जमीनी विवाद को लेकर मारपीट की घटना हुई थी। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से सिसवन थाना में कांड संख्या 309/25 दर्ज किया गया था, जिसकी अनुसंधानकर्ता (आईओ) एसआई कन्हैया कुमार सिंह थे।आरोप है कि केस डायरी से सुनील कुमार की बहन का नाम हटाने के एवज में एसआई कन्हैया कुमार सिंह ने 40 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इससे परेशान होकर सुनील कुमार ने निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी विभाग ने कांड संख्या 170/25 दर्ज करते हुए शुक्रवार को जाल बिछाया।

पटना में निगरानी के हत्थे चढ़ा घूसखोर राजस्व कर्मचारी ऑफिस पहुंचते ही परिमार्जन के नाम पर ले रहा था रिश्वत

पटना। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग का एक्शन लगातार जारी है। निगरानी की सख्ती के बावजूद भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। पटना के मसौढ़ी में निगरानी की टीम ने घूसखोर राजस्व कर्मचारी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दरअसल, पूरा मामला मसौढ़ी अंचल से जुड़ा है, जहां मंगलवार को कार्यालय खुलते ही टीम ने कार्रवाई की। गिरफ्तार राजस्व कर्मचारी का नाम राजा कुमार है, जो मसौढ़ी अंचल के भदौरा मौजा में तैनात हैं। उन्हें परिमार्जन के नाम पर रिश्वत लेते हुए 1 लाख रुपये के साथ दबोचा गया। निगरानी विभाग के डीएसपी वसीम फिरोज ने बताया कि राजा कुमार पर आरोप था कि वह पीड़ित को कई महीनों से टहला रहे थे और काम करने में बाधा डाल रहे थे। ढाई लाख रुपये की रिश्वत पर बातचीत चल रही थी, लेकिन शिकायतकर्ता मंगलवार को 1 लाख रुपये देने पहुंचे। निगरानी टीम ने पूरी योजना के तहत उन्हें ट्रैप किया और रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। लगभग 11 एकड़ जमीन के परिमार्जन के लिए रिश्वत की मांग की गई थी।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने खान निरीक्षक को किया निलंबित, कहा- राजस्व लक्ष्य से नहीं होगा समझौता

पटना। बिहार में अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और राजस्व लक्ष्य से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होगा। यह बात उप मुख्यमंत्री सह खान एवं भू-तत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कही। वे मंगलवार को विभागीय कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विभाग के सचिव देवेश सेहरा, निदेशक मनेश कुमार मीणा, अपर सचिव भारत भूषण प्रसाद सहित सभी जिलों के खनिज विकास पदाधिकारी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री ने सभी जिलों को राजस्व समाहरण लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। राजस्व संग्रह की समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लक्ष्य से पीछे चल रहे पटना, रोहतास, औरंगाबाद और गया जैसे जिलों की अलग से समीक्षा की जाएगी। इसके लिए निदेशक मनेश कुमार मीणा को निर्देशित किया गया है। सभी जिलों को तीन दिनों के भीतर राजस्व लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य योजना तैयार करने को कहा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईंट भट्टों से खनन समेकित शुल्क वसूली के नाम पर किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पटना में नितिन नबीन का बड़ा बयान, कहा

कार्यकर्ता ही राजनीति की असली ताकत, पार्ट टाइम पॉलिटिशन से काम नहीं चलेगा

एजेंसी। पटना

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन मंगलवार को पटना पहुंचे और कार्यकताओं के बीच कई अहम बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि राजनीति में सफलता केवल पद और सम्मान के लिए नहीं, बल्कि जनता के बीच जुड़कर और फुल टाइम मेहनत करके ही मिलती है। नितिन नबीन ने कहा, ह्लराजनीति में मेरी शुरूआत भी एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में हुई। कार्यकताओं ने अंगुली पकड़कर काम करना सिखाया। जनता के साथ जुड़कर रहना ही किसी नेता की असली पहचान है।ह्व उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबे समय तक राजनीति में टिके रहने के लिए लगातार सीखते रहना और मेहनत करना अनिवार्य है। उन्होंने

जोर देकर कहा, ह्लआज के समय में पार्ट टाइम पॉलिटिशन का दौर समाप्त हो चुका है। फुल टाइम पॉलिटिशन बनना पड़ेगा। पार्ट टाइम से काम नहीं चलेगा।ह्व उनका मानना है कि एक नेता को जनता के बीच समय बिताना, उनकी समस्याओं को समझना और समाधान देने के लिए हमेशा सक्रिय रहना चाहिए। अपने संबोधन में नितिन नबीन ने विपक्षी नेताओं पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी बार-बार देश को अपमानित कर रहे हैं और उनका राजनीतिक नजरिया कभी-कभी जनता के प्रति जिम्मेदार नहीं लगता। बिहार में राजद नेता तेजस्वी यादव भी पार्ट टाइम पॉलिटिशन हैं। उनका कहना था कि जब नेता जनता के करीब नहीं रहते, तो विकास और प्रशासन में बाधाएं आती हैं। पटना में भाजपा के प्रदेश नेतृत्व और कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए नितिन नबीन ने कहा, ह्लप्रदेश नेतृत्व का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूं। जहां भी रहूंगा, पटना हमेशा मेरे दिल में बसा रहेगा। बिहार की जनता के आशीर्वाद से ही आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे जनता के बीच आने का अवसर मिला। उन्होंने कार्यकताओं को संगठन के भीतर अनुशासन और मेहनत बनाए रखने का संदेश दिया। युवा कार्यकताओं से कहा कि केवल दफ्तर में बैठकर राजनीति नहीं की जा सकती। जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना और समाधान देना ही सच्चा नेतृत्व है। नितिन नबीन ने पार्टी के लिए समर्पण और मेहनत की भावना पर जोर दिया। उनका कहना था कि जिस नेता की जनता के साथ वास्तविक जुड़ाव होता है, वही लंबे समय तक राजनीति में टिकता है और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। नितिन नबीन ने उनके योगदान की सराहना की और कहा कि बिहार में पार्टी की मजबूती का सबसे बड़ा श्रेय समर्पित कार्यकताओं को जाता है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे हमेशा जनता के साथ जुड़े रहें और पार्टी की नीतियों को सही ढंग से जनता तक पहुंचाएं। पटना में अपने रोड शो और कार्यक्रमों के दौरान नितिन नबीन ने स्थानीय मुद्दों और विकास कार्यों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि हर नेता की जिम्मेदारी है कि वह जनता के सामने न केवल अपनी उपलब्धियों को रखे बल्कि उनकी समस्याओं को समझकर उनका समाधान करे। इस दौरे को भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, क्योंकि इससे पार्टी कार्यकताओं में उत्साह और सक्रियता बढ़ेगी। नितिन नबीन ने स्पष्ट किया कि राजनीति में सफलता केवल रणनीति या भाषण देने से नहीं बल्कि जनता के साथ जुड़ाव और मेहनत से मिलती है।

पटना पर्यटन में नई शुरूआत गंगा वाटर मेट्रो सेवा जल्द शुरू

एजेंसी। पटना

दशहरा के अवसर पर गंगा नदी में पर्यटकों के लिए पर्यटन विभाग द्वारा वाटर मेट्रो सेवा शुरू करने की योजना थी, लेकिन विभिन्न तकनीकी और प्रक्रियात्मक कारणों से इसका शुभारंभ टल गया। इसके बाद कई त्योहार बीत गए, जैसे क्रिसमस और प्रकाशपर्व, और वर्ष 2025 भी अपनी अंतिम चरण में है। लंबे इंतजार के बाद नव वर्ष 2026 के जनवरी में गंगा में वाटर मेट्रो शुरू करने की तैयारी अंतिम चरण में है। कोलकाता के हावड़ा में हुगली नदी के तट पर हुगली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा 12 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इलेक्ट्रॉनिक जहाज एमवी-गोमधरकुंवर गायघाट स्थित बंदरगाह के समीप गंगा में पहुंच चुका है। भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण (व्हअक) पटना के निदेशक अरविंद कुमार ने बताया कि वाटर मेट्रो के लिए आए जहाज की तकनीकी जांच हो चुकी है और गंगा में इसका ट्रायल सफलतापूर्वक किया गया। संचालन के लिए आवश्यक रजिस्ट्रेशन और सर्वे प्रमाण पत्र पश्चिम बंगाल सरकार से प्राप्त होना शेष है।

जहाज की जांच कर प्रमाणन करने वाली इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग (व्मत्र) से सर्वे रिपोर्ट मिल चुकी है, लेकिन प्रमाण पत्र मिलने का इंतजार है। आईडब्ल्यूएआई के निदेशक ने बताया कि दीघा घाट से कंगन घाट के बीच वाटर मेट्रो सेवा शुरू करने के लिए तैरते सामुदायिक जेटी पर इलेक्ट्रॉनिक जहाज के लिए चार्जिंग प्वाइंट लगाया जाएगा। यह कार्य बिहार सरकार द्वारा किया जाएगा। जहाज दीघा घाट से रवाना होगा और एनआईटी घाट पर पहली बार चार्ज होगा। इसके बाद यह कंगन घाट जाएगा और लौटकर एनआईटी घाट पर फिर चार्जिंग के बाद दीघा घाट पहुंचेगा।पर्यटन विभाग द्वारा कंगन घाट में भी चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने की योजना है, जो वर्तमान में टेंडर प्रक्रिया में है। जहाज की बैट्री आधे घंटे में चार्ज हो जाएगी और इससे लगभग डेढ़ घंटे तक संचालन संभव होगा। वाटर मेट्रो जहाज में वातानुकूलन की सुविधा है और इसमें 50 बैठने की सीटें हैं। इसके अलावा, लगभग 25 लोगों के खड़े होने की जगह भी उपलब्ध है। यह योजना गंगा नदी में पर्यटक यात्रा को सुरक्षित, आरामदायक और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से बनाई गई है।

पटना साहिब में भव्य प्रकाश पर्व की तैयारी श्रद्धालुओं की गिनती के लिए लग रही मशीनें

एजेंसी। पटना

सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह महाराज का 359वां प्रकाशोत्सव पटना साहिब में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी के जन्म दिवस पर प्रकाश पर्व के रूप में इस पर्व को मनाते हैं। हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन यह पर्व सिख श्रद्धालु मनाते हैं। 2 दिन तक चलने वाले प्रकाशोत्सव में गुरु ग्रंथ साहिब का 48 घंटे का अखंड पाठ किया जाता है और शोभायात्रा निकाली जाती है। इस दौरान लंगर भी आयोजित किए जाते हैं जिसमें दूर-दराज से आए सिख श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस बार भी प्रकाश पर्व पटना साहिब में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। जिसकी तैयारी अंतिम चरण में है। देश-विदेश से आने वाले सिख श्रद्धालुओं के लिए नीतीश सरकार ने व्यापक प्रबंध किये हैं। इस बार तख्त श्रीहरिमंदिर गुरुद्वारा में पहली बार काउंटिंग मशीनें लगाई जा रही है। जिसके माध्यम से इस साल पटना साहिब आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का सटीक आकलन किया जा सकेगा। वही पटना से राजगीर के लिए 15 बसें मुफ्त चलाई जाएंगी। इस बात की जानकारी बिहार के पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने दी। उन्होंने कहा कि इस बार के प्रकाशोत्सव को ऐतिहासिक बनाने की पूरी तैयारी है। सिख श्रद्धालुओं के लिए परिवहन विभाग ने 15 बसों की व्यवस्था की है, जो मंगलवार 23 दिसंबर की सुबह साढ़े सात बजे पटना साहिब गुरुद्वारा से राजगीर स्थित शीतल कुंड तक जाएगी। मुफ्त बस सेवा 6 दिन लगातार निशुल्क श्रद्धालुओं को पटना से राजगीर और राजगीर से पटना लाएगी। 23 से 28 दिसंबर तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। प्रकाश पर्व में आने वाले श्रद्धालु परिवहन विभाग की बस से निशुल्क पटना साहिब और राजगीर के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों का दर्शन कर सकेंगे। बिहार के पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने बताया कि इस बार बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालुओं के पटना साहिब पहुंचने की संभावना है। जिसे देखते हुए पूरी व्यवस्था बिहार सरकार की ओर से की गयी है। श्रद्धालुओं के ठहरने, साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सुविधा और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गयी है।

बिहार में आरा-सासाराम पैसेंजर ट्रेन हादसा रोटावेटर से टकराने से अफरा - तफरी

एजेंसी। पटना

बिहार में मंगलवार सुबह एक ट्रेन हादसा हुआ, जो यात्रियों के लिए डरावना साबित हुआ। भोजपुर जिले में आरा-सासाराम पैसेंजर ट्रेन उदवंतनगर के पास एक रोटावेटर से टकरा गई। घटना सुबह लगभग 7:54 बजे हुई, जब ट्रेन आरा स्टेशन से सासाराम की ओर जा रही थी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन आरा से सुबह 7:44 बजे रवाना हुई थी। लगभग 10 मिनट बाद स्टेशन मास्टर गड़हनी एस के सिंह को कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि ट्रेन ने ट्रैक पर किसी वाहन से टकरा लिया है। शुरूआती रिपोर्ट में इसे ट्रैक्टर बताया गया, लेकिन मौके पर ली गई तस्वीरों में यह साफ दिखाई दिया कि ट्रेन एक कृषि यंत्र रोटावेटर से टकराई थी। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ट्रेन पटरी से नहीं उतरी, लेकिन टक्कर के कारण उसे रोकना पड़ा। रेलवे अधिकारियों ने तुरंत घटना की सूचना नियंत्रण कक्ष और संबंधित अधिकारियों को दी। मौके पर पहुंचकर रेलवे स्टाफ ने यात्रियों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया और स्थिति नियंत्रित की। हादसे की वजह के बारे में कहा जा रहा है कि

सुबह घना कोहरा था। इसी कारण रोटावेटर चालक को ट्रैक स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दिया। रोटावेटर अचानक ट्रेन के सामने आ गया और टकरा गया। टक्कर के बाद रोटावेटर चालक ट्रैक्टर से गिर गया, लेकिन सौभाग्य से उसे ज्यादा चोट नहीं आई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन की गति नियंत्रित थी और चालक ने तुरंत ब्रेक लगा दिया। इससे बड़ी दुर्घटना होने से बच गई। रेलवे सुरक्षा दल ने घटनास्थल पर पहुंचकर ट्रैक की जांच की और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने बताया कि ट्रेन टकराने के समय काफी हलचल मची। कई यात्री डर के मारे अपनी सीट से उठ गए। रेलवे कर्मचारियों ने उन्हें शांति से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया। ट्रेन थोड़ी देर रुकी और फिर धीरे-धीरे अपनी यात्रा जारी रखी। रेलवे प्रशासन यह भी जांच कर रहा है कि रोटावेटर ट्रैक पर कैसे पहुंचा। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार चालक की लापरवाही नहीं थी, बल्कि घने कोहरे और ट्रैक की समीपता हादसे की मुख्य वजह थे। प्रशासन ने स्थानीय किसानों और ग्रामीणों को आगाह किया है कि रेलवे ट्रैक के पास कोई वाहन या कृषि यंत्र न लाएं। बिहार में रेलवे हादसों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, राज्य और रेलवे प्रशासन सुरक्षा उपायों को और सख्त कर रहे हैं।

बिहार में ठंड का कहर जारी, कई जिलों में तापमान 10 डिग्री से नीचे

एजेंसी। पटना

कोहरे के कहर और पछुआ हवा के चलते सोमवार को भी राज्य के अधिकतर जिलों में कड़ाके की ठंड का असर बना हुआ है। छह जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया, जिससे दक्षिण बिहार के कई हिस्सों में शीतलहर जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट दर्ज की जा सकती है। दिन के समय धूप निकलेगी, लेकिन रात और सुबह के समय ठंड का प्रकोप और बढ़ेगा। दरअसल, सोमवार को दक्षिण बिहार के ज्यादातर शहरों में

चार से पांच दिनों के बाद दिन में धूप देखने को मिली, जिससे लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन लगातार चल रही पछुआ हवा के कारण ठंड से पूरी तरह निजात नहीं मिल सकी। नालंदा जिले का राजगीर राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं गया जिले में भी तापमान में तेज गिरावट देखी गई। सुबह के समय गया में दृश्यता महज 50 मीटर तक सिमट गई, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित रहा। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार मंगलवार को राज्य के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-मध्य भागों के कुछ इलाकों में घना कोहरा और शीत दिवस जैसी स्थिति बनने की संभावना है। वहीं दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-मध्य बिहार के कुछ जिलों में भी शीत दिवस के हालात बने रह सकते हैं। अगले दो दिनों तक प्रदेश में सुबह के समय घने से मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहेगा, हालांकि दिन चढ़ने के साथ ही धूप निकलने से अधिकतम तापमान में 1 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल राज्य का न्यूनतम तापमान 6.6 से 12.7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 15.3 से 20.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। तेज ठंड और कोहरे के कारण सुबह के समय स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और दिहाड़ी मजदूरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जिलों में अलाव की व्यवस्था की गई है, वहीं स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने, सुबह-शाम बाहर निकलने से बचने और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है।

बिहार में आईपीएस अधिकारियों का प्रमोशन, डीजी बने कुंदन कृष्णन

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने राज्य के आईपीएस अधिकारियों के प्रमोशन की घोषणा की है। इसमें एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन को डीजी रैंक में प्रोन्नत किया गया है। इसके अलावा 8 डीआईजी को आईजी रैंक में और 22 एसपी रैंक के अधिकारियों को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति दी गई है। गृह विभाग के तहत यह प्रमोशन नई साल की शुरूआत में बड़े तोहफे के रूप में आया है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात पांच और राज्य के तीन डीआईजी को आईजी रैंक में बढ़ाया गया। इसके साथ ही 12 आईपीएस अधिकारियों को प्रवर कोटि में प्रमोशन दिया गया। इस प्रमोशन से राज्य पुलिस प्रशासन में वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति और जिम्मेदारियों का नया ढांचा तैयार हो गया है। बता दें कि एडीजी कुंदन कृष्णन 1994 बैच के IPS अधिकारी हैं। कुंदन कृष्णन को 1 जनवरी 2026 से प्रभावी रूप से पुलिस महानिदेशक (DG) रैंक में पदोन्नत किया है। वो पहले ADG (अपर पुलिस महानिदेशक) के पद पर थे। कुंदन कृष्णन को अपर पुलिस महानिदेशक (ADG) से पुलिस महानिदेशक (DG) कोटि में प्रोन्नति दी गई है।